महालक्ष्मी जी की आरती

जय लक्ष्मी माता, जय लक्ष्मी माता।

तुमको निश दिन सेवत, हर विष्णु विधाता॥जय...॥

ब्रह्माणी कमला तू ही है जग माता।

सूर्य चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता॥जय...॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

दुर्गा रूप निरंजन, सुख सम्पत्ति दाता।

जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि सिद्धि धन पाता ॥जय...॥

तू ही है पाताल बसन्ती, तू ही है शुभ दाता।

कर्म प्रभाव प्रकाशक, जग निधि में त्राता ॥जय...॥

जिस घर थारा वासा, जेहि में गुण आता।

कर न सके सोई करले, मन नहीं धड़काता॥जय...॥

तुम बिन यज्ञ न होवे, वस्त्र न होय राता।

खान पान को वैभव, तुम बिन गुण दाता॥जय...॥

शुभ गुण सुन्दर मुक्ति, क्षीर निधि जाता।

रत्न चतुर्दश ताको, कोई नहीं पाता ॥जय...॥

यह आरती महाक्ष्मी जी की, जो कोई नर गाता।

उर आनन्द अति उमंगे, पाप उतर जाता॥जय...॥

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य आरतिया पढ़ें

- गणेश जी
- हनुमान जी
- शनि देव
- अम्बे तू है जगदम्बे
- ओम जय जगदीश हरे
- साईं बाबा
- बालाजी
- बाबा रामदेव जी
- रविदास जी
- महावीर भगवान
- शारदा माता
- भैरव आरती
- राधा जी
- पितर
- पार्वती जी
- आरती कुंजबिहारी

- जय शिव ओंकारा
- अन्नपूर्णा माता
- महालक्ष्मी जी
- ब्रह्मा जी
- तुलसी माता
- शाकंभरी माता
- गंगा मैया
- प्रेतराज सरकार
- सूर्य भगवान
- परशुराम जी
- नर्मदा जी
- बटुक भैरव
- कृष्ण आरती
- श्री विंध्येश्वरी
- विश्वकर्मा जी
- बाबा गंगाराम जी
- शीतला माता
- बगलामुखी आरती
- जाहरवीर बाबा
- आरती ललिता जी की

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

- गुरु गोरखनाथ
- रघुवर लला
- लड्डू गोपाल
- गीता जी
- बद्रीनाथ
- श्री रामायण जी
- सरस्वती माता
- गौ माता

हिन्दीपथ.कॉम